जीवन में चाहे अनचाहे किसी न किसी कठिनाई से मानस में एक अनिश्चित तनाव सा उत्पन्न हो जाता है, जिससे हम अपने जीवन में असहज हो जाते हैं, इन व्यर्थ के तनावों को आप कपूर की तरह उड़ा सकते हैं इन प्रयोगों के द्वारा और प्राप्त कर सकते हैं सुखी, सफल, सम्पन्न जीवन। अपने आयु के अधिकतम क्षणों को मुस्कराहट से जीयें, न कि तनावों में उलझ कर परेशानियों का सामना करते हुए–आपको मुस्कराहट देने में सक्षम हैं ये प्रयोग हैं –

स्थिर लक्ष्मी प्रयोग

व्यक्ति को जीवन में धन का कितना महत्त्व है, वह आज के युग को देखकर ही जाना जा सकता है, जहां प्रत्येक क्षण धन की जरूरत है, चाहे वह कैसा भी कार्य हो, आपके जीवन में यदि धन की वजह से तनाव हो, तो आप उस तनाव को अपने से पीछे छोड़ दें और जीवन में अपनी उन्नति के लिए, सम्पन्नता प्राप्त करने के लिए प्रत्येक प्रकार के भौतिक सुख की प्राप्ति के लिए इस लघु, परन्तु अत्यंत तीक्ष्ण प्रयोग को सम्पन्न करें, अपने जीवन में लक्ष्मी को स्थाई रूप से बांध कर सम्पूर्ण जीवन में उसका उपभोग करें।

महालक्ष्मी यंत्र के सामने निम्न मंत्र का 21 दिनों तक 51 बार उच्चारण करें –

मंत्र

।।ॐ श्रीं लक्ष्मी स्थिरत्वाय श्रीं नमः।।

इस प्रयोग के लिए आप शुद्ध वस्त्र धारण करें संभव हो, तो मंत्र जप का समय निर्धारित ही रखें। 22वें दिन यंत्र को जल में प्रवाहित कर दें।

न्यौछावर – 240/-

◇◇◇

शत्रु स्तम्भन प्रयोग

'समझ में नहीं आता मैं क्या करूं, उसने तो इस प्रकार की बाधा उत्पन्न कर दी, कि सारा काम रुक गया।' इस प्रकार के वाक्य आपके द्वारा तभी कहे जाते हैं, जब आप किसी कार्य को अत्यंत मनोयोग से करना चाहते हैं, परन्तु कोई न कोई उसमें रोड़ा बन जाता है। आप कार्य को जितनी ही सरलतापूर्वक सम्पन्न करना चाहते हैं, आपके सामने उतनी ही मुश्किलें खड़ी हो जाती हैं। तब आप सोचते हैं, कि क्या कोई ऐसा उपाय है, जो आपके इस कार्य को निर्विघ्न रूप से पूर्ण कराने में आपको सहायता प्रदान करे, जो आपके मार्ग में आनी वाली बाधाओं को हटा दे और आप आसानी से अपने कार्य को पूर्ण कर सकें।

इसके लिए **'तांत्रोक्त नारियल'** पर नियमित रूप से प्रातः निम्न मंत्र का 21 बार 11 दिन तक जप करें –

मंत्र

।।ॐ शं शत्रुस्तंभनाय फट्।।

आप स्वयं अनुभव करेंगे, कि आपके सभी कार्य बिना किसी रुकावट के पूरे हो रहे हैं। 12वें दिन उसको नदी या नहर के जल में विसर्जित कर दें।

न्यौछावर – 90/-

◇◇◇

सफलता प्राप्त करने का प्रयोग

प्रत्येक कार्य की सफलता आपके व्यक्तित्व की पहचान है। अगर आप किसी भी क्षेत्र में असफल हैं, तो आपका व्यक्तित्व असफल ही माना जाएगा। आप सफलता पाने के लिए प्रयास तो करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य आपको असफलता देता है। आप-अपने ऊपर से असफल होने का स्टैम्प हटाकर, अपने-आप को हर सौभाग्य से पूर्ण कर दीजिये, जिससे आप सौभाग्यशाली की श्रेणी में आ जायें; आपने आप को निराशा से अलग कर इस प्रयोग के माध्यम से जीवन के प्रत्येक कार्य में सफलता प्राप्त करें।

आप जिस कार्य में सफल होना चाहते हैं, उस कार्य को एक कागज पर लिखकर उस पर **'साफल्य गुटिका'** रखकर इस मंत्रका 11 दिनों तक नित्य 51 बार जप करें -

मंत्र

।। ॐ ह्रीं साफल्याय ह्रीं नमः।।

इसके बाद गुटिका को किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

न्यौछावर - 120/-

◇◇◇

शारीरिक कमजोरी मिटाने का प्रयोग

क्या आप बहुत अधिक कमजोरी का अनुभव करते हैं या अपने ग्रुप में सबसे पतले लगते हैं? शारीरिक रूप से स्वस्थ होने पर भी कमजोरी का अहसास होता है? किसी कार्य को करने में बहुत जल्दी थकान का अनुभव करते हैं? थोड़ा-सा चलने पर शरीर में भारीपन का अनुभव होता है? दिल की धड़कन सामान्य से तेज हो जाती है व सामान्य होने में समय लग जाता है?

यदि बहुत उपाय करने के बाद भी ठीक नहीं हो रहे हों, तो आप इस उपाय को करें।

यह दिखने में तो सामान्य है, लेकिन इसकी तीक्ष्णता का आप इस प्रयोग को करने के बाद स्वयं अनुमान लगा सकते हैं। आप **'कायाकल्प गुटिका'** पर 21 दिनों तक नित्य 51 बार निम्न मंत्र का जप करें -

मंत्र

।।ॐ कामाय कं ॐ नमः।।

प्रयोग समाप्त होने पर इस गुटिका को नदी में प्रवाहित कर दें।

न्यौछावर - 150/-

◇◇◇

सम्मोहन प्रयोग

आकर्षण भी जरूरी है जीवन में, क्योंकि आपको आये दिन ऐसे लोगों से मिलना पड़ता है, जिनसे आप अपने कार्यों में सहयोग ले सकते हैं। यदि आपका व्यक्तित्व सम्मोहक है, तो आपसे मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति आपके साथ कार्य करने में प्रसन्नता अनुभव करेगा।

वह अगर इनकार कर दे, तो भी आपके सम्मोहक व्यक्तित्व को देखकर विवश हो जाए और प्रसन्नतापूर्वक आपके कार्यों में सहयोग प्रदान करे, तो यह आपके सम्मोहक व्यक्तित्व की सफलता ही होगी और निश्चित रूप से आप अपने को सम्मोहक बना सकते हैं, इस प्रयोग के माध्यम से।

प्रातः जब सूर्योदय हो रहा हो, तब अपने हाथ में **'सम्मोहन यंत्र'** लेकर निम्न मंत्र का 21 बार जप करें -

मंत्र

।। ॐ सं सम्मोहनाय फट्।।

यह मंत्र जप 5 दिनों तक करना चाहिए, फिर पांचवें दिन यंत्र को नदी में विसर्जित करें।

न्यौछावर - 210/-

◇◇◇

कर्जा वसूल करने का प्रयोग

यह प्रयोग व्यापारियों के लिये उत्तमकोटि का प्रयोग है, क्योंकि उनका व्यापार रुपयों के लेन-देन पर ही आधारित होता है, समय पर पैसा न मिलने पर उनका व्यापार प्रभावित होता ही है। कई बार वे किसी एक व्यक्ति को कर्ज दे देते हैं, जिनसे उन्हें रुपये वसूलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है फिर भी आपका पैसा आपको वापिस नहीं मिल पाता है। कर्जा वसूल करना भी आपके लिए सिरदर्द बन जाता है आप वसूल करना चाहते हैं और सामने वाला व्यक्ति इससे बचना चाहता है। आपकी मित्रता तब समाप्त हो जाती है, जब आप अपने किसी मित्र से अपना दिया रुपया (उधार) वापिस मांगते हैं। अपने प्रत्यनों को सफल करिये, इस प्रयोग के साथ।

इसके लिए **'केहटा'** पर व्यापार के लिए निकलने से पहले 16 बार निम्न मंत्र का जप करें -

मंत्र

।। श्रीं ऐं मामृणोत्तीर्णाये फट्।।

कर्जा वसूलने के लिए जाएं, तो इसे अपने साथ ही रख कर ले जायें। रास्ते में किसी निर्जन स्थान या किसी नदी में प्रवाहित कर दें। एक **'केहटा'** सिर्फ एक बार ही प्रयोग कर सकते हैं।

न्यौछावर- 150/-

◈◇◈

रोग पीड़ा शांति प्रयोग

रोग पीड़ा अनचाहा निमंत्रण है, जो बिना बुलाये ही आपसे आकर मिलता है। शारीरिक रूप से रोगी व्यक्ति चाहते हुए भी अपने कार्यों को पूर्ण नहीं कर पाता। जिस चीज के उपभोग की इच्छा होती है, रोगी होने के कारण केवल उसे देखकर ही संतोष करना पड़ता है। आये दिन के छोटे-छोटे रोग और पीड़ायें कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में विलम्ब कर देती हैं; न चाहते हुए भी रोग और पीड़ा व्याप्त रहती है, चेकअप करवाने पर आप स्वस्थ प्रतीत होते हैं, फिर भी रोग और पीड़ा व्याप्त रहती है, मगर इसके ठोस कारण नहीं मिलते। पीड़ा आपको असामान्य बना देती है और आप अपना कार्य सामान्य रहकर नहीं कर पाते। इसके लिए आप **'अश्मिनी'** पर 8 दिनों तक नित्य 33 लाल पुष्प चढ़ायें। प्रयोग समाप्ति पर **अश्मिनी** को पीड़ित व्यक्ति के ऊपर से 7 बार घुमा कर किसी निर्जन स्थान पर डाल दें।

न्यौछावर– 150/-

◈◇◈

घर में कलह मिटाने का प्रयोग

कभी-कभी छोटे-छोटे मतभेद बड़े कलह का रूप धारण कर लेते हैं। मतभेद बहुत ही छोटे-छोटे कारणों पर आधारित रहते हैं, जिससे पति-पत्नी के मध्य तनाव बना रहता है। वे अपने समय को हास्य और मधुरता से बिताना चाहते हैं, लेकिन मतभेदों के कारण वे ऐसा कर नहीं पाते, क्योंकि इन मतभेदों के कारण ही उनके स्वभाव में चिड़चिड़ाहट आ जाती है और पूरे दिनभर खीझ बनी रहती है।

आप इस प्रयोग से कलह को मिटा सकते हैं। इसके लिए आप **'लुम्बीना'** को लाल कपड़े में बांधकर उसके सामने 11 दिनों तक 7 बार निम्न मंत्र का जप करें –

मंत्र

।।ॐ क्रीं क्रीं सर्वविवाद निवारणाय फट्।।

प्रयोग समाप्ति के बाद किसी कुएं या तालाब में लुम्बीना को डाल दें।

न्यौछावर - 120/-

◈◇◈

शीघ्र विवाह प्रयोग

विवाह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो यदि समय पर न हो, तो आलोचनाएं होने लगती हैं, अथक परिश्रम के बाद भी विवाह न हो पा रहा हो, तो इस प्रयोग को करने पर शीघ्र ही विवाह संबंधी रिश्ते आने लगते हैं। इस प्रयोग के लिए आप **'अघोर गौरा चेटक'** को हाथ में लेकर पीपल के पेड़ की 9 बार परिक्रमा करें तथा परिक्रमा करते हुए निम्न मंत्र का जप करें –

मंत्र

।।ॐ ऐं क्लीं शीघ्र विवाह सिद्धये फट्।।

यह प्रयोग 7 दिन तक करें तथा 7वें दिन चेटक को उसी पेड़ की जड़ में दबा दें। आप स्वयं देखेंगे, कि इस प्रयोग के बाद विवाह में कोई अड़चन नहीं होगी और आपके विवाह का मुर्हूत शीघ्र ही बन जाएगा।

न्यौछावर - 150/-

◈◇◈

इच्छित कामना प्राप्ति प्रयोग

इच्छाएं तो जीवन में बहुत होती हैं, लेकिन वे सभी की सभी पूर्ण हों, यह नहीं हो पाता। इच्छा होना, उमंग और उत्साह का परिचायक है। जिस चीज की अत्यधिक कामना हो, मगर वह मिल नहीं पाती है, तो अपनी इच्छित कामना के लिए यह प्रयोग सम्पन्न करें। इस प्रयोग को करने से आपकी कामना पूर्ण होगी, चाहे वह नौकरी की प्राप्ति हो, किसी वस्तु की कामना हो या जीवन में उच्च स्तर प्राप्त करने की कामना हो।

इसके लिए एक कागज पर अपनी इच्छा लिख दें, उस पर **'प्राम्या'** रखकर 5 दिनों तक 33 बार निम्न मंत्र का जप करें।

मंत्र

।।ॐ ईं ईप्सितं साधय फट्।।

प्रयोग के पूर्ण होने के बाद **प्राम्या** को नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

न्यौछावर - 150/-